Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015-2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 8-2017] CHANDIGARH, TUESDAY, FEBRUARY 21, 2017 (PHALGUNA 2, 1938 SAKA)

General Review

उद्यान विभाग, हरियाणा की वर्ष 2015–16 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 13 फरवरी, 2017

क्रमांक नं0 333–कृषि–II(5)–2017/2073

1. बागवानी का मनुष्य के भोजन में पौष्टिकता व आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण स्थान है। इसके अतिरिक्त इसमें ताजे फलों/सब्जियों की स्थिति तथा निर्मित उत्पादकों के रूप में निर्यात के बहुत अवसर प्रदत हैं। बागवानी क्षेत्र का बहुत महत्व है तथा यह एक स्थाई अर्थिक गतिविधि बन गया है। विभाग के भरसक प्रयत्नों के फलस्वरूप फल, सब्जियों, फूल तथा खुम्ब के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

2. वर्ष 2014–15 में फूलों के अन्तर्गत 60,450 हैक्टेयर क्षेत्र था जो कि वर्ष 2015–16 में बढ़कर 60915 हैक्टेयर हो गया। इसी प्रकार वर्ष 2014–15 के दौरान फलों का उत्पादन 7,03,675 मी0टन था जो कि वर्ष 2015–16 में 737,820 मी0 टन हो गया है।

3. सब्जी उत्पादन क्षेत्र में, हरियाणा देश का एक महत्वपूर्ण राज्य है, क्योंकि यह दिल्ली के निकट स्थित है। वर्ष 2015–16 के दौरान सब्जियों के अन्तर्गत 4,10,740 हैक्टेयर क्षेत्र हो गया जो कि वर्ष 2014–15 में, 3,59,395 हैक्टेयर था। वर्ष 2015–16 के दौरान सब्जियों का उत्पादन 61,56,880 मी0टन हुआ, वर्ष 2014–15 में 52,85,590 मी0 टन था।

4. हरियाणा राज्य में वर्ष 2014–15 में मसालों के अन्तर्गत 12,610 हैक्टेयर क्षेत्र था जो कि वर्ष 2015–16 में बढ़ कर 12,630 हैक्टेयर हो गया है। वर्ष 2014–15 में मसालों का उत्पादन 81,190 मी0 टन था जो कि वर्ष 2015–16 में 81,280 मी0 टन हो गया है।

5. हरियाणा राज्य खुम्बी के उत्पादन की खेती में एक अग्रणीय राज्य है। वर्ष 2014–15 में 10,390 मी0 टन खुम्ब का उत्पादन हुआ था, जबकि वर्ष 2015–16 में यह बढ़कर 10,500 मी0 टन हो गया है।

6. फूलों की खेती के फलस्वरूप किसानों की आय में वृद्धि हुई है। जिसकी देश व विदेशों में भी बहुत मांग बढ़ रही है। वर्ष 2014–15 में फूलों के अन्तर्गत 6110 हैक्टेयर क्षेत्र तथा वर्ष 2015–16 में यह 6125 हैक्टेयर था।

7. सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली वर्ष 2015–16 तक 73,326 हैक्टेयर में लगाई गई इस विधि को अपनाने वाले किसानों को 52.50–65 प्रतिशत केन्द्रीय एवं राज्य सहायता उपलब्ध कराई गई।

8. वर्ष 2015–16 उद्यान फसलों की प्रगति के लिए कुल मिलाकर बहुत उपयुक्त रहा।

चण्डीगढ़:
दिनांक 17 अक्तूबर, 2016.

वीरेन्द्र सिंह कुण्डू ,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि तथा किसान कल्याण विभाग।

REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF THE HORTICULTURE DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2015-16.

The 13th February, 2017

No. 333-Hor.II(5)-2017/2073.—

1. Horticultural crops are high value crops providing much needed nutritious food to human beings. These commodities have great potential for export as fresh and value added products. Horticulture has gained importance as a separate, viable economic activity. With the sustained efforts of the Department, considerable progress has been made in fruits, vegetable, flowers and mushroom cultivation.

2. During the year 2014-15, total area under fruit cultivation was 60,450 ha. which rose to 60,915 ha. by the end of 2015-16. Similarly during 2014-15 the production of fruits was 7,03,675 M.T., which arrived to 7,37,820 M.T. by the end of 2015-16.

3. The State being in close proximity of Delhi is ideally suited for vegetable cultivation. During the year 2015-16 the area under vegetable is 4,10,740 ha. from 3,59,395 ha. in 2014-15. During the year 2015-16 production of vegetables was 61,56,880 M.T. as against the production of 52,85,590 M.T. during 2014-15.

4. During the year 2014-15 total area under spices was 12,610 ha. which increased to 12,630 ha. during the year 2015-16. During the year 2014-15 production of spices was 81,190 M.T. which increased to 81,280 M.T. in the year 2015-16.

5. Haryana State is one of the leading States in mushroom production. During the year 2014-15 10,390 M.T. of mushroom was produced, which increased to 10, 500 M.T. during 2015-16.

6. Cultivation of flowers amongst the farmers has become a remunerative venture, as there is a good demand in the national and international markets. During the year 2014-15, the area under flowers was 6,110 ha. and its was 6125 ha. during the year 2015-16.

7. Upto the year 2015-16, 73326 ha. area has been covered under Micro Irrigation System in horticultural crops and the farmers were provided central and State assistance @ 52.50-65 for installation of Micro Irrigation System during the year 2015-16.

8. The year 2015-16 was overall favourable for various horticultural crops.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Ariculture and Farmers Welfare Department.

Chandigarh:
The 17-10-2016.

54975—C.S.—H.G.P., Chd.